# वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय
# जौनपुर, उ0प्र0–222001

एम0ए0 **संस्कृत** पाठ्यक्रम

(द्विवर्षीय पूर्णकालिक)

सी.बी.सी.एस. एवं सेमेस्टर प्रणाली

# एम0ए0 संस्कृत, पाठ्यक्रम

(राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसार सत्र 2022–23 से प्रभावी)

**एम0ए0 *संस्कृत,* पाठ्यक्रम समिति (अध्ययन परिषद्)**
**वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर**

| क्र.सं. | अध्ययन परिषद् के सदस्यों के नाम | पदनाम | स्थिति | विभाग | कालेज/विश्वविद्यालय |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | डॉ0 राहुल | एसो.प्रो. | संयोजक | संस्कृत | पी.जी. कालेज, गाजीपुर |
| 2 | डॉ0 समरेन्द्र नारायण मिश्रा | एसो.प्रो. | सदस्य, पी.जी. | संस्कृत | पी.जी. कालेज, गाजीपुर |
| 3 | डॉ0 विमला देवी | एसो.प्रो. | सदस्य, यू.जी. | संस्कृत | हिन्दू कालेज जमानियां |
| 4 | प्रो0 रणजीत कुमार पाण्डेय | प्रोफेसर | सदस्य, यू.जी. | संस्कृत | जी.एस.पी.जी. कालेज, समोधपुर |
| 5 | डॉ0 लक्ष्मी देवी गुप्ता | एसो.प्रो. | सदस्य, यू.जी. | संस्कृत | जी.बी.पन्त पी.जी. कालेज, प्रतापगंज, जौनपुर |
| 6 | प्रो0 उमेश प्रसाद सिंह | प्रोफेसर | बाह्य विशेषज्ञ | संस्कृत | बी.एच.यू., वाराणसी |
| 7 | डॉ0 प्रभात कुमार | एसो.प्रो. | बाह्य विशेषज्ञ | संस्कृत | राजकीय पी.जी. कालेज, मिर्जापुर |

**सदस्यों के हस्ताक्षर**

डॉ0 राहुल

डॉ0 समरेन्द्र नारायण मिश्रा

डॉ0 विमला देवी

प्रो0 रणजीत कुमार पाण्डेय

डॉ0 लक्ष्मी देवी गुप्ता

प्रो0 उमेश प्रसाद सिंह

डॉ0 प्रभात कुमार

**वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर हेतु**
**राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में जारी दिशा–निर्देशों के अनुरूप एम.ए. संस्कृत का पाठ्यक्रम**
**सत्र–2022–2023 से लागू**

**निर्देशः**

संस्कृत के इस पाठ्यक्रम में कुल 4 सेमेस्टर होंगे। प्रत्येक सेमेस्टर में 4–4 प्रश्नपत्रों की लिखित परीक्षा होगी। सेमेस्टर–1 सेमेस्टर–2, सेमेस्टर–3 एवं सेमेस्टर–4 के सभी प्रश्नपत्रों की लिखित परीक्षा हेतु 75 अंक तथा आंतरिक मूल्यांकन हेतु 25 अंक निर्धारित है। प्रत्येक प्रश्नपत्र हेतु 4 क्रेडिट का प्रावधान है।

**प्रश्नपत्रों का खण्ड विभाजन :**

प्रत्येक प्रश्नपत्र तीन खण्डों में विभाजित हैं–खण्ड–अ, खण्ड–ब तथा खण्ड–स

***खण्ड–अ*** : इस खण्ड में सम्बंधित सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से अतिलघूत्तरीय प्रकार के कुल 10 प्रश्न पूछे जाएंगे। सभी प्रश्न अनिवार्य होंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 2 अंक निर्धारित है। इस प्रकार, इस खंड में कुल 10 X 2 = 20 अंक निर्धारित है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर के लिए **अधिकतम शब्द सीमा 50** होगी।

***खण्ड–ब*** : इस खंड में सम्बंधित सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से लघुत्तरीय प्रकार के कुल 8 प्रश्न मुद्रित होंगे, जिनमें से 5 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। इसमें यदि व्याख्या के प्रश्न होंगे तब उस स्थिति में व्याख्या के 3 प्रश्न करने अनिवार्य होंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 7 अंक निर्धारित है। इस प्रकार, इस खंड में कुल 5 X 7 = 35 अंक निर्धारित हैं। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर के लिए **अधिकतम शब्द सीमा 200 होगी।**

**खण्ड–स** : इस खंड में सम्बंधित सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से निबंधात्मक–समीक्षात्मक प्रकार के कुल 4 प्रश्न मुद्रित होंगे, जिनमें से केवल 2 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित है। इस प्रकार, इस खंड में कुल 2 10 = 20 अंक निर्धारित हैं। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर के लिए **अधिकतम शब्द–सीमा 500 होगी।**

सेमेस्टर–1, 2, 3 एवं 4 के प्रत्येक प्रश्नपत्र हेतु अंक विभाजन सारणी

| | |
|---|---|
| खण्ड–अ : अतिलघुउत्तरीय प्रश्न (शब्द सीमा–50) | 10 X 2 = 20 अंक |
| खण्ड–ब : लघुउत्तरीय प्रश्न (शब्द सीमा–200) | 5 X 7 = 35 अंक |
| खण्ड–स : निबंधात्मक प्रश्न (शब्द सीमा–500) | 2 X 10 = 20 अंक |
| कुल | लिखित पूर्णांक = 75 अंक<br>आंतरिक मूल्यांकन = 25 अंक<br>पूर्णांक (75+25) = **100 अंक**<br>प्रत्येक प्रश्नपत्र = 4 क्रेडिट |

**वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर**

**राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020**

**स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में प्रश्नपत्रों के सेमेस्टरवार प्रश्नपत्र**

**(विषय–संस्कृत)** ***स्नातक (शोध सहित)***

| वर्ष | सेमेस्टर | प्रश्नपत्र / कोर्स | प्रश्नपत्र / कोर्सकोड | प्रश्नपत्र का शीर्षक | लिखित / प्रायोगिक | कालांश / ब्याख्यान | पूर्णांक | क्रेडिट |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| एम.ए. प्रथम वर्ष | **सप्तम / प्रथम** | प्रथम | A020701T | वेद एवं उपनिषद् | लिखित | 60 | 100 (25+75) | 04 |
| | | द्वितीय | A020702T | भाषा विज्ञान | '' | 60 | 100 (25+75) | 04 |
| | | तृतीय | A020703T | भारतीय दर्शन | '' | 60 | 100 (25+75) | 04 |
| | | चतुर्थ | A020704T | व्याकरण | '' | 60 | 100 (25+75) | 04 |
| | | *पंचम* | *A020705P* | *प्रायोगिकी एवं मौखिकी* | *प्रा. एवं मौ.* | *120* | 100 (50+50) | *04* |
| | | **षष्ठ** | **A020706R** | **वृहद् शोध परियोजना** | **शोधप्रबन्ध / डिजर्टेशन** | **60** | **50** | **04** |
| एम.ए. प्रथम वर्ष | **अष्टम / द्वितीय** | प्रथम | A020801T | वेद एवं उपनिषद् | लिखित | 60 | 100 (25+75) | 04 |
| | | द्वितीय | A020802T | व्याकरण, निबन्ध एवं अनुवाद | '' | 60 | 100 (25+75) | 04 |
| | | तृतीय | A020803T or A020803TA | काव्य एवं काव्यशास्त्र ***अथवा*** पालि, प्राकृत एवं अपभ्रंश | '' | 60 | 100 (25+75) | 04 |
| | | चतुर्थ | A020804T | भारतीय दर्शन | '' | 60 | 100 (25+75) | 04 |
| | | *पंचम* | *A020805P* | *प्रायोगिकी एवं मौखिकी* | *प्रा. एवं मौ.* | *120* | 100 (50+50) | *04* |
| | | **षष्ठ** | **A020806R** | **वृहद् शोध परियोजना** | **शोधप्रबन्ध / डिजर्टेशन** | **60** | **50** | **04** |

*** स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष में, एक माइनर इलेक्टिव पेपर (मुख्य विषय से अलग किसी अन्य संकाय का, क्रेडिट–04) का चयन करना होगा**

**** प्रथम वर्ष का क्रेडिट विवरण–40 (सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक पाठ्यक्रम) + 8 (वृहद शोध परियोजना) + 4 (माइनर इलेक्टिव पेपर) = 52 क्रेडिट**

*****100 पूर्णांक (50+50) एवं 8 क्रेडिट (4+4) वाले वृहद शोध परियोजना का संयुक्त मूल्यांकन प्रत्येक वर्ष के अन्त में होगा**

| एम.ए. द्वितीय वर्ष *(स्नातकोत्तर)* | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| **वर्ष** | **सेमेस्टर** | **प्रश्नपत्र / कोर्स** | **प्रश्नपत्र / कोर्सकोड** | **प्रश्नपत्र का शीर्षक** | **लिखित / प्रायोगिक** | **कालांश / ब्याख्यान** | **पूर्णांक** | **क्रेडिट** |
| एम.ए. द्वितीय वर्ष | **नवम / तृतीय** | प्रथम | A020901T | आधुनिक संस्कृत साहित्य | लिखित | 60 | 100 (25+75) | 04 |
| | | द्वितीय | A020902T or A020902TA | धर्मशास्त्र एवं अर्थशास्त्र *अथवा* रूपक और चम्पूकाव्य | '' | 60 | 100 (25+75) | 04 |
| | | तृतीय | A020903T or A020903TA | गद्यकाव्य एवं महाकाव्य अथवा नाटिका एवं नाट्यशास्त्र | '' | 60 | 100 (25+75) | 04 |
| | | चतुर्थ | A020904T or A020904TA | आर्षकाव्य अथवा लिपि और अभिलेख | '' | 60 | 100 (25+75) | 04 |
| | | *पंचम* | *A020905P* | *प्रायोगिकी एवं मौखिकी* | *प्रा. एवं मौ.* | *120* | 100 (50+50) | *04* |
| | | **षष्ठ** | **A020906R** | **वृहद् शोध परियोजना** | **शोधप्रबन्ध / डिजर्टेशन** | **60** | **50** | **04** |

| चतुर्थ सेमेस्टर *(वैकल्पिक)* अग्रांकित चार वर्गों में से कोई भी एक वर्ग.<br>अ–वेद | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| एम.ए. द्वितीय वर्ष | **दशम / चतुर्थ** | प्रथम | A021001T | वेद | लिखित | 60 | 100 (25+75) | 04 |
| | | द्वितीय | A021002T | संहिता, ब्राह्मण एवं मीमांसा | '' | 60 | 100 (25+75) | 04 |
| | | तृतीय | A021003T | वैदिक व्याकरण, निरूक्त एवं ब्याख्या पद्धति | '' | 60 | 100 (25+75) | 04 |
| | | चतुर्थ | A021004T | वैदिक व्यवस्था | '' | 60 | 100 (25+75) | 04 |
| | | *पंचम* | *A021005P* | *प्रायोगिकी एवं मौखिकी* | *प्रा. एवं मौ.* | *120* | 100 (50+50) | *04* |
| | | **षष्ठ** | **A021006R** | **वृहद् शोध परियोजना** | **शोधप्रबन्ध / डिजर्टेशन** | **60** | **50** | **04** |
| | | | | | | | | |

| ब–व्याकरण | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| एम.ए. द्वितीय वर्ष | **दशम / चतुर्थ** | प्रथम | A021001T | महाभाष्य, शिक्षा एवं आचार्य परिचय | लिखित | 60 | 100 (25+75) | 04 |
| | | द्वितीय | A021002T | वाक्यपदीयम् | '' | 60 | 100 (25+75) | 04 |
| | | तृतीय | A021003T | काशिका एवं प्रत्यय | '' | 60 | 100 (25+75) | 04 |
| | | चतुर्थ | A021004T | व्याकरण प्रक्रिया | '' | 60 | 100 (25+75) | 04 |
| | | *पंचम* | *A021005P* | *प्रायोगिकी एवं मौखिकी* | *प्रा. एवं मौ.* | *120* | 100 (50+50) | *04* |
| | | **षष्ठ** | **A021006R** | **वृहद् शोध परियोजना** | **शोधप्रबन्ध / डिजर्टेशन** | **60** | **50** | **04** |
| | | | | | | | | |

| स–दर्शन | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| एम.ए. द्वितीय वर्ष | **दशम / चतुर्थ** | प्रथम | A021001T | चार्वाक, बौद्ध एवं जैन | लिखित | 60 | 100 (25+75) | 04 |
| | | द्वितीय | A021002T | न्याय–वैशेषिक दर्शन | '' | 60 | 100 (25+75) | 04 |
| | | तृतीय | A021003T | सांख्य–योग दर्शन | '' | 60 | 100 (25+75) | 04 |
| | | चतुर्थ | A021004T | मीमांसा एवं वेदान्त | '' | 60 | 100 (25+75) | 04 |
| | | *पंचम* | *A021005P* | *प्रायोगिकी एवं मौखिकी* | *प्रा. एवं मौ.* | *120* | 100 (50+50) | *04* |
| | | **षष्ठ** | **A021006R** | **वृहद् शोध परियोजना** | **शोधप्रबन्ध / डिजर्टेशन** | **60** | **50** | **04** |
| | | | | | | | | |

| द–साहित्य | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| एम.ए. द्वितीय वर्ष | **दशम / चतुर्थ** | प्रथम | A021001T | अलंकार शास्त्र | लिखित | 60 | 100 (25+75) | 04 |
| | | द्वितीय | A021002T | काव्यप्रकाश | '' | 60 | 100 (25+75) | 04 |
| | | तृतीय | A021003T | ध्वन्यालोक | '' | 60 | 100 (25+75) | 04 |
| | | चतुर्थ | A021004T | वक्रोक्तिजीवितम् | '' | 60 | 100 (25+75) | 04 |
| | | *पंचम* | *A021005P* | *प्रायोगिकी एवं मौखिकी* | *प्रा. एवं मौ.* | *120* | 100 (50+50) | *04* |
| | | **षष्ठ** | **A021006R** | **वृहद् शोध परियोजना** | **शोधप्रबन्ध / डिजर्टेशन** | **60** | **50** | **04** |

क्रेडिट विवरण :

*एम.ए. द्वितीय वर्ष (3 / 9 एवं 4 / 10 सेमेस्टर) 48 क्रेडिट का होगा।
40 (सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक पाठ्यक्रम) + 8 (वृहद शोध परियोजना)।

**इस प्रकार एम.ए. का द्विवर्षीय पाठ्यक्रम (एम.ए. प्रथम वर्ष–स्नातक शोधसहित (52 क्रेडिट) *एवं द्वितीय वर्ष–स्नातकोत्तर (48 क्रेडिट)) कुल 100 (52+48) क्रेडिट का होगा।*

## पाठ्यक्रम–विवरण एवं सहायक ग्रन्थसूची
## एम.ए. प्रथम वर्ष
## सेमेस्टर–प्रथम / सप्तम

1. प्रथम प्रश्न–पत्र : (पूर्णांक : 25+75=100 अंक)

**वेद एवं उपनिषद् (A020701T)**

- ऋग्वेद से निम्नलिखित सूक्त–वरूण (1 / 25), सूर्य (1 / 125), इन्द्र (2 / 12), उषस् (3 / 61), पर्जन्य (5 / 83) (40 अंक)
- शुक्लयुजर्वेद : प्रजापति अध्याय 23 (1–5) (20 अंक)
- अथर्ववेद : राष्ट्राभिवर्धनम् (1 / 29) (20 अंक)
- तैत्तिरीयोपनिषद् (शांकरभाष्य सहित)–शीक्षावल्ली (20 अंक)

**सहायक ग्रन्थ :–**

- ऋक्सूक्त संग्रह–हरिदत्त शास्त्री, साहित्य भण्डार, मेरठ
- ऋक्सूक्तनिकरः–डॉ0 उमाशंकर शर्मा ऋषि, चौखम्भा पब्लिशर्स, वाराणसी।
- ऋक्सूक्तचयनम–डॉ0 सुधाकर द्विवेदी, शारदा संस्कृत संस्थान, वाराणसी।
- ऋग्वेदभाष्य भूमिका–डॉ0 हरिदत्त शास्त्री।
- तैत्तरीयप्रतिशाख्यम–डॉ0 कमला प्रसाद पाण्डेय।
- वैदिकसूक्त संग्रह–गीता प्रेस, गोरखपुर।

1. भाषा विज्ञान (A020702T)

- भाषा के चार घटक तत्व–स्वनिम, रूपिम, पदिम एवं अर्थिम। (20 अंक)
- ध्वनि विज्ञान, ध्वनि के सिद्धांत। (20 अंक)
- भारोपीय भाषा परिवार का महत्व एवं सामान्य विशेषताएं। (20 अंक)
- भाषाओं का वर्गीकरण : आकृतिमूलक एवं पारिवारिक। (20 अंक)
- आर्य भाषा का विकास। (20 अंक)

**सहायक ग्रन्थ :–**

- भाषाविज्ञान–डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी।
- संस्कृत का भाषाशास्त्रीय अध्ययन–डॉ0 भोलाशंकर व्यास।
- भाषाविज्ञान कोष–डॉ0 भोलानाथ तिवारी।
- भाषाविज्ञान की भूमिका–डॉ0 देवेन्द्रनाथ शर्मा।
- संस्कृत भाषा विज्ञान–डॉ0 राजकिशोर सिंह।

2. भारतीय दर्शन (A020703T)

- दर्शन विवेचन, भारतीय दर्शन का विभाजन, सम्प्रदाय एवं विकास, भारतीय दर्शनों की सामान्य विशेषताएं, भारतीय दर्शन में ईश्वर विचार। (25 अंक)
- वेदों का दर्शन। (25 अंक)
- उपनिषदों का दर्शन। (25 अंक)
- गीता का दर्शन। (25 अंक)

**सहायक ग्रन्थ :–**

- भारतीय दर्शन की भूमिका–रामानन्द तिवारी।
- भारतीय दर्शन–आलोचना और अनुशीलन–चन्द्रधर शर्मा।
- भारतीय दर्शन–प्रो0 एस0एन0 दास गुप्ता।
- तर्कभाषा–बद्रीनाथ शुक्ल।
- तर्कभाषा–आचार्य विश्वेश्वर।
- तर्कभाषा–आचार्य श्रीनिवास शास्त्री।
- भारतीय दर्शन–श्रीकान्त पाण्डेय।
- भारतीय दर्शन–बलदेव उपाध्याय।
- भारतीय दर्शन–उमेश मिश्र।

3. व्याकरण (A020704T)

- सिद्धांत कौमुदी कारण प्रकरण (100 अंक)

**सहायक ग्रन्थ :–**

- सिद्धांत कौमुदी कारण प्रकरण–डॉ0 ज्योति स्वरूप मिश्रा।
- वैयाकरण सिद्धांत कौमुदी–विभक्त्यर्थ (कारक) प्रकरण–तरिणीश झा, प्रकाशन केन्द्र लखनऊ।

## पाठ्यक्रम विवरण
## एम.ए. प्रथम वर्ष
## सेमेस्टर–द्वितीय/अष्टम

2. प्रश्न–पत्र : प्रथम (पूर्णांक : 25+75=100 अंक)

वेद एवं उपनिषद् (A020801T)

- संवाद सूक्त–विश्वामित्र–नदी (3/33), यम–यमी (10/10), पुरूरवा–उर्वशी (10/95,), सरमा–पणि (10/108) (40 अंक)
- वैदिक साहित्य का सामान्य परिचय। (30 अंक)
- तैत्तिरीयोपनिषद्–ब्रह्मानन्दवल्लीपर्यन्त। (30 अंक)

**सहायक ग्रन्थ :–**

- ऋक्सूक्त संग्रह–हरिदत्त शास्त्री, साहित्य भण्डार, मेरठ
- ऋक्सूक्तनिकरः–डॉ0 उमाशंकर शर्मा ऋषि, चौखम्भा पब्लिशर्स, वाराणसी।
- ऋक्सूक्तचयनम–डॉ0 सुधाकर द्विवेदी, शारदा संस्कृत संस्थान, वाराणसी।
- ऋग्वेदभाष्य भूमिका–डॉ0 हरिदत्त शास्त्री।
- तैत्तरीयप्रतिशाख्यम–डॉ0 कमला प्रसाद पाण्डेय।
- वैदिकसूक्त संग्रह–गीता प्रेस, गोरखपुर।
- वैदिक साहित्य का इतिहास–डॉ0 पारसनाथ द्विवेदी
- वैदिक साहित्य एवं संस्कृति–डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी।

3. प्रश्न–पत्र : द्वितीय (पूर्णांक : 25+75=100 अंक)

निबन्ध, व्याकरण एवं अनुवाद (A020802T)

- संस्कृत में निबन्ध। (15 अंक)

लघु सिद्धान्त कौमुदी के अनुसार

- कृदन्त प्रकरण कृत्य–तव्यत्,अनीयर, यत्, ण्यत् (15 अंक)
- कृत्–तुमुन, क्त्वा, ल्यप, क्त, क्तवतु, शतृ, शानच, ण्वुल, तृच, णिनि। (15 अंक)
- स्त्री प्रत्यय (लघु सिद्धान्त कौमुदी) (15 अंक)
- अनुवाद – संस्कृत से हिन्दी में, एवं हिन्दी से संस्कृत में। (20+20=40 अंक)

**सहायक ग्रन्थ :–**

- संस्कृत निबन्ध शतकम्–डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी।

- संस्कृत रचना अनुवाद प्रभा–श्रीनिवास शास्त्री।
- प्रौढ रचना कौमुदी–डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी।
- संस्कत व्याकरण–श्री निवास शास्त्री।
- लघु सिद्धान्त कौमुदी–श्री धरानन्द शास्त्री।
- संस्कृत निबन्धबल्लरी–लेखनाथ पौडेल, संस्कृति प्रकाशन, वाराणसी।
- संस्कृत निबन्ध–आचार्य उमाशंकर शास्त्री 'जानकार', प्रकाशन केन्द्र लखनऊ।
- अनुवाद चन्द्रिका–चक्रधर नौटियाल 'हंस', मोतीलाल बनारसी दास।

4. प्रश्न–पत्र – तृतीय (पूर्णांक : 25+75=100 अंक)

काव्य एवं काव्यशास्त्र (A020803T)

काव्य एवं काव्यशास्त्र

- मेघदूत–उत्तरमेघ। (35 अंक)
- काव्यप्रकाश–प्रथम चार उल्लास (65 अंक)

**सहायक ग्रन्थ** :–

- मेघदूतम्–डॉ विजेन्द्र कुमार शर्मा–साहित्य भण्डार, मेरठ।
- मेघदूतम्–डॉ0 रमाशंकर त्रिपाठी–विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी।
- मेघदूत एक अनुचिन्तन–श्री रंजन सुरीदेव–मोतीलाल बनारसी दास।
- काव्यप्रकाश–आचार्य विश्वेश्वर, ज्ञानमण्डल वाराणसी।
- काव्यप्रकाश–श्री निवास शास्त्री, साहित्य भण्डार मेरठ।
- काव्यप्रकाश–पारस नाथ द्विवेदी, वाराणसी।
- काव्यप्रकाश–डॉ0 सत्यब्रत सिंह, चौखम्भा विद्याभवन, वाराणसी।

पालि, प्राकृत एवं अपभ्रंश (A020803TA) (वैकल्पिक)

- पालि पाठमाला से सुंसुमारजातकम्, वानरिन्दजातकम्, उलूकजाकम् (35 अंक)
- प्राकृत प्रवेशिका से सुभाषितानि, दोला–लीला, चक्रवत्परिवर्तन्ते तथा अभिशापमर्षणम्। (35 अंक)
- अपभ्रंश–दोहाकोष, अपभ्रंशमुक्तसंग्रह। (30 अंक)

**सहायक ग्रन्थ** :–

- पालि–प्राकृत–अपभ्रंश संग्रह–डॉ0 राम अवध पाण्डेय एवं रविनाथ मिश्रा, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
- पालि–प्राकृत–संग्रह–डॉ0 शक्तिमान सिंह, चौखम्भा वाराणसी।

5. प्रश्न–पत्र – चतुर्थ (पूर्णांक : 25+75=100 अंक)

भारतीय दर्शन (A020804T)

- वेदान्तसार–प्रथम अध्याय (35 अंक)
- तर्कभाषा–प्रमाण (35 अंक)
- सांख्यकारिका–(4 से 19) (30 अंक)

**सहायक ग्रन्थ** :–

- वेदान्तसार–संत नारायण श्रीवास्तव, इलाहाबाद।
- वेदान्तसार–कृष्णकांत त्रिपाठी।
- वेदान्तसार–डॉ0 राममूर्ती शर्मा, दिल्ली।
- वेदान्तसार–डॉ0 अवनिन्द कुमार, परिमल पब्लिकेशन, दिल्ली।
- सांख्यकारिका–डॉ0 आद्या प्रसाद मिश्र, इलाहाबाद।
- सांख्यकारिका–हरिदत्त शास्त्री, साहित्य भण्डार, मेरठ।
- सांख्यकारिका–रामशंकर भट्टाचार्य।

## स्नातकोत्तर (पंचम वर्ष)
## तृतीय / नवम सेमेस्टर

1. प्रश्न–पत्र – प्रथम (पूर्णांक : 25+75=100 अंक)

आधुनिक संस्कृत साहित्य (A020901T)

- आधुनिक संस्कृत साहित्य का परिचय, प्रवृत्तियां एवं साहित्य विधाए (20 अंक)
- प्रमुख आधुनिक कवियों का संक्षिप्त परिचय (व्यक्तित्व एवं कर्तृत्व) (40 अंक)
- निम्नलिखित कवियों का परिचय (40 अंक) 1. प्रो. रेवा प्रसाद द्विवेदी, 2. प्रो. राजेन्द्र मिश्रा, 3. प्रो. राधा बल्लभ त्रिपाठी, 4. प्रो. रहस बिहारी द्विवेदी, 5. प्रो. राम कुमार मालवीय

**सहायक ग्रन्थ** :–

- संस्कृत वांङ्मय का बृहद् इतिहास, सप्तम खण्ड–डॉ0 बलदेव उपाध्याय, उ0प्र0 संस्कृत संस्थान लखनऊ।
- अद्यतनसंस्कृतकवितासंग्रह–डॉ0 सुधाकर द्विवेदी, शारदा संस्कृत संस्थान, वाराणसी।
- संस्कृत काव्य की अर्वाचीन परम्परा–राज मंगल यादव, प्रतिभा प्रकाशन, दिल्ली।
- आधुनिक संस्कृत साहित्य : विविध आयाम–डॉ0 अरूण कुमार निषाद, नोशन प्रेस चेन्नई।
- आधुनिक संस्कृत साहित्य संचयन–डॉ0 गिरीश चन्द्र पंत, डॉ0 बलराम शुक्ल एवं डॉ0 चन्द्रशेखर त्रिपाठी, बी0 पब्लिकेशन, चेन्नई।

2. प्रश्न–पत्र – द्वितीय (पूर्णांक : 25+75=100 अंक)

धर्मशास्त्र एवं अर्थशास्त्र (A020902T)

- प्रमुख स्मृतियों का सामान्य परिचय (25 अंक)
- कौटिलीय अर्थशास्त्र (प्रथम विनयाधिकारिक) (25 अंक)
- मुनस्मृति–द्वितीय अध्याय (25 अंक)
- याज्ञवल्क्य स्मृति (व्यवहाराध्याय) (25 अंक)

**सहायक ग्रन्थ** :–

- धर्मशास्त्र का इतिहास–डॉ0पी0वी0 काणे, उ0प्र0 हिन्दी संस्थान, लखनऊ।
- धर्मशास्त्रीय विषयों का परिशीलन–श्रीधर त्रिपाठी, मिथिला संस्कृत विद्यापीठ, दरभंगा।

- याज्ञवल्क्य स्मृति–डॉ0 उमेश चन्द्र पाण्डेय।
- भारतीय धर्म दर्शन–उमेश मिश्रा, उ0प्र0 हि0सं0 लखनऊ।
- भारतीय धर्म एवं दर्शन–बलदेव उपाध्याय, शारदा प्रकाशन वाराणसी।
- मनुस्मृति–गोविन्दशास्त्री, चौखम्भा संस्कृत सं0 वाराणसी।
- मनुस्मृति–जे.के. जैन, साहित्य भण्डार मेरठ।
- कौटिलीय अर्थशास्त्र–उदयवीर शास्त्री, मेहरचन्द्र लक्ष्मणदास, दिल्ली।
- कौटिलीय अर्थशास्त्र–डॉ0 वाचस्पति गैरोला, वाराणसी

3. प्रश्न–पत्र – द्वितीय (वैकल्पिक) (पूर्णांक : 25+75=100 अंक)

रूपक और चम्पूकाव्य (A020902TA)

- रूपक एवं चम्पू काव्य का उद्‌भव एवं विकास। 25 अंक
- शूद्रककृत मृच्छकटिकम्–(1–3 अंक) 25 अंक
- भवभूतिकृत उत्तररामरचित (1–3 अंक) 25 अंक
- नलचम्पू प्रथम उच्छ्‌वास आर्यावर्तवर्णनपर्यन्त। 25 अंक

**सहायक ग्रन्थ** :–

- मृच्छ्‌कटिकम् एम.आर. काले, मोतीलाल बनारसीदास।
- मृच्छ्‌कटिकम्–श्रीनिवास शास्त्री, साहित्य भण्डार, मेरठ।
- उत्तररामचरितम–प्रभुदत्त शास्त्री, ज्ञान प्रकाशन, मेरठ।
- नलचम्पू–श्री धारादत्त शास्त्री, मोतीलाल बनारसी दास वाराणसी।
- मृच्छ्‌कटिकम्–डॉ0 जगदीश चन्द्र मिश्र, चौखम्भा विद्याभवन वाराणसी।
- नलचम्पू–पण्डित परमेश्वरदीन पाण्डेय, चौखम्भा सूरभारती प्रकाशन वाराणसी।
- सांख्यकारिका

4. प्रश्न–पत्र – तृतीय (पूर्णांक : 25+75=100 अंक)

गद्यकाव्य एवं महाकाव्य (A020903T)

- गद्यकाव्य–उत्पत्ति एवं विकास, कथा एवं आख्यायिका, प्रमुख गद्यकाव्यकारों का सामान्य परिचय। (25 अंक)

- हर्षचरित–1–3 उच्छ्वास। (25 अंक)
- महाकाव्य की उत्पत्ति तथा विकास, महाकाव्य के लक्षण, प्रमुख महाकाव्यकारों का संक्षिप्त परिचय। (25 अंक)
- नैषधीयचरित–प्रथम सर्ग। (25 अंक)

**सहायक ग्रन्थ** :–

- हर्षचरितम्–श्री जगन्नाथ पाठक, चौखम्भा विद्याभवन, वाराणसी।
- हर्षचरितम्–श्री मोहनदेव पन्त, मोतीलाल बनारसी दास।
- हर्षचरित : एक सांस्कृतिक अध्ययन–डॉ0 वसुदेव शरण अग्रवाल, बि.रा.परिषद, पटना, बिहार।
- नैषधीयचरितम्–हरगोविन्द शास्त्री, चौखम्भा संस्कृत सीरीज, वाराणसी।
- नैषधीयचरित–साहित्य भण्डार, मेरठ।
- संस्कृत साहित्य का इतिहास–डॉ0 उमाशंकर शर्मा 'ऋषि' चौखम्भा भारतीय अकादमी वाराणसी।
- संस्कृत साहित्य का इतिहास–डॉ0 बलदेव उपाध्याय, शारदा निकेतन वाराणसी।
- संस्कृत साहित्य का अभिनव इतिहास–डॉ0 राधावल्लभ त्रिपाठी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

5. प्रश्न–पत्र – तृतीय (वैकल्पिक) (पूर्णांक : 25+75=100 अंक)

नाटिका एवं नाट्यशास्त्र (A020903TA)

- रत्नावली नाटिका–1, 2 अंक।
- नाट्यशास्त्र का इतिहास।
- नाट्यशास्त्र–प्रथम अध्याय।
- धनंजयकृत दशरूपक–1 एवं 4 प्रकाश।

**सहायक ग्रन्थ** :–

- संस्कृत नाट्य साहित्य–डॉ0 जयकिशन प्रसाद खण्डेलवाल, साहित्य भण्डार, मेरठ।
- रत्नावली–डॉ0 शिवराज शास्त्री, साहित्य भण्डार, मेरठ।
- नाट्यशास्त्र–बाबूलाल शुक्ल, चौखम्भा सूरभारती, वाराणसी।
- दशरूपक–डॉ0 श्रीनिवास शास्त्री, साहित्य भण्डार, मेरठ।

- दशरूपक–रामजी उपाध्याय, चौखम्भा, वाराणसी।
- दशरूपक–डॉ0 भोला शंकर व्यास, वाराणसी।

6. प्रश्न–पत्र – चतुर्थ (25+75=100 अंक)

आर्षकाव्य (A020904T)

(रामायण एवं महाभारत)

- रामायण–विषयवस्तु, काल, रामायणकालीन समाज। (20 अंक)
- रामायण का उपजीव्यत्व तथा साहित्यिक महत्व, आख्यान। (30 अंक)
- महाभारत–विषयवस्तु, काल, महाभारतकालीन समाज। (20 अंक)
- महाभारत की उपजीव्यता तथा साहित्यिक महत्व, आख्यान। (20 अंक)
- उद्योगपर्व (विदुरनीति) (10 अंक)

**सहायक ग्रन्थ** :–

- आदिकवि वाल्मीकी–डॉ0 राधा बल्लभ त्रिपाठी, संस्कृत परिषद, विश्वविद्यालय, सागर।
- प्राचीन भारत का इतिहास और संस्कृति–बी.जी. गोखले, एशिया पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
- इतिहासपुराणआख्यान संग्रह डॉ0 राधा बल्लभ त्रिपाठी, दिल्ली।
- संस्कृत साहित्य का इतिहास–डॉ0 रणजीत शर्मा, ज्ञानबुक डिपो, मेरठ।
- संस्कृत साहित्य का इतिहास–डॉ0 उमाशंकर शर्मा ऋषि, चौखम्भा भारतीय एकादमी, वाराणसी।
- संस्कृत साहित्य का इतिहास–डॉ0 बलदेव उपाध्याय, शारदा निकेतन, वाराणसी।
- संस्कृत साहित्य की रूपरेखा–पाण्डेय एवं व्यास, साहित्य निकेतन, कानपुर।
- संस्कृत साहित्य का अभिनव इतिहास–डॉ0 राधा बल्लभ त्रिपाठी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
- संस्कत वांगमय का विवेचनात्मक इतिहास–डॉ0 सूर्यकान्त, ओरियन्ट लांगमैन, नईदिल्ली।

7. प्रश्न–पत्र – चतुर्थ (वैकल्पिक) (पूर्णांक : 25+75=100 अंक)

लिपि और अभिलेख (A020904TA)

- लिपि और अभिलेख का सामान्य परिचय। (20 अंक)
- गुप्तकालीन तथा अशोककालीन ब्राह्मी लिपि। (20 अंक)

- अशोक के अभिलेख–प्रमुख शिलालेख, प्रमुख स्तम्भलेख। (20 अंक)
- मौर्योत्तरकालीन अभिलेख–सारनाथ बौद्ध प्रतिमालेख, रूद्रदामन् का गिरनार अभिलेख, खारवेल का हाथीगुम्फा अभिलेख। (20 अंक)
- गुप्तकालीन एवं गुप्तोत्तरकालीन अभिलेख–समुद्रगुप्त का इलाहाबाद स्तम्भलेख, यशोवर्धन का मन्दसौर शिलालेख, हर्ष का बांसखेड़ा ताम्रपट्ट अभिलेख, पुलकेशिन द्वितीय का ऐहोल शिलालेख। (20 अंक)

**सहायक ग्रन्थ** :–


- प्राचीन भारतीय लिपि एवं अभिलेख–डॉ0 गोपाल यादव, कलाप्रकाशन, वाराणसी।
- प्राचीन लिपि माला–डॉ0 श्रीकृष्ण जुगनू, राजस्थानी ग्रन्थागार, जोधपुर।
- विश्व की मूल लिपि ब्राह्मी–डॉ0 प्रेम सागर जैन, वीर निर्वाण ग्रन्थ प्रकाशन समिति, इन्दौर।
- अशोक के अभिलेख–डॉ0 राजबली पाण्डेय, ज्ञानमण्डल लि0 वाराणसी।
- गुप्तकालीन अभिलेख–रामगोपाल, कुसुमांजलि प्रकाशन, जोधपुर।
- भारत के प्रमुख अभिलेख–डॉ0 परमेश्वरी लाल गुप्ता, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

## चतुर्थ सेमेस्टर *(वैकल्पिक)* अग्रांकित चार वर्गों में से कोई भी एक वर्ग
## पाठ्यक्रम विवरण एवं सहायक ग्रन्थसूची
## अ–वेद

1. प्रश्न–पत्र – प्रथम (पूर्णांक : 25+75=100 अंक)

   वेद (A021001T)

   - वेदों का काल निरूपण एवं महत्व। (25 अंक)
   - साहित्य–संहिता एवं आरण्यक साहित्य। (25 अंक)
   - निम्नलिखित उपनिषदों की विषय–वस्तु तथा प्रमुख अवधारणाओं का अध्ययन–कठ, केन, प्रश्न, मुण्डक, वृहदारण्यक, श्वेताश्वतर। (35 अंक)
   - वेदांग। (15 अंक)

2. प्रश्न–पत्र – द्वितीय (पूर्णांक : 25+75=100 अंक)

   संहिता, ब्राह्मण एवं मीमांसा (A021002T)

   - शुक्लयजुर्वेदसंहिता–प्रथम अध्याय। (25 अंक)
   - ब्राह्मण साहित्य–प्रतिपाद्य विषय, विधि एवं उसके प्रकार, अग्निहोत्र, अग्निष्टोम, दशपूर्णमासयज्ञ, पंचमहायज्ञ, आख्यान (शुनः शेप, वांङ्मनस) (25 अंक)
   - शतपथ ब्राह्मण–प्रथम अध्याय। (25 अंक)
   - अर्थसंग्रह–श्री लौगांक्षिभास्कर प्रणीत (25 अंक)

3. प्रश्न–पत्र – तृतीय (पूर्णांक : 25+75=100 अंक)

   वैदिक व्याकरण, निरूक्त, भाष्य एवं व्याख्या पद्धति (A021003T)

   - ऋक्प्रातिशाक्य : निम्नलिखित परिभाषाएं–समानाक्षर, सन्ध्यक्षर, अघोष, सोष्म, स्वरभक्ति, यम, रक्त, संयोग, प्रगृह्य, रिफित। (20 अंक)
   - निरूक्त अध्ययन के प्रयोजन। (10 अंक)
   - निरूक्त–प्रथम अध्याय। (20 अंक)
   - ऋग्वेदभाष्यभूमिका–ऋग्वेद की श्रेष्ठता, युजर्वेद के प्रथम व्याख्यान का कारण, वेदों का अपौरूषेयत्व, वेदार्थ ज्ञान का महत्व (20 अंक)
   - वैदिक स्वर–उदात्त, अनुदात्त एवं स्वरित। (15 अंक)
   - वैदिक व्याख्यान पद्धति : प्राचीन एवं अर्वाचीन। (15 अंक)

4. प्रश्न–पत्र – चतुर्थ (पूर्णांक : 25+75=100 अंक)

   वैदिक व्यवस्था (A021004T)

   - वैदिक परिवार, समाज एवं आर्थिक जीवन। (35 अंक)
   - प्रशासनिक व्यवस्था एवं वैदिक जनराज्य। (25 अंक)
   - महत्वपूर्ण वैदिक देवता। (20 अंक)
   - वेदभाष्यकार। (20 अंक)

**सहायक ग्रन्थ :–**


- वैदिक साहित्य का इतिहास–डॉ0 पारसनाथ द्विवेदी, चौखम्भा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
- वैदिक साहित्य एवं संस्कृति–डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
- संस्कृत वांगमय का बृहद् इतिहास, प्रथम एवं द्वितीय खण्ड–बलदेव उपाध्याय, उ0प्र0 संस्कृत संस्थान, लखनऊ।
- ऋक्सूक्तनिकरः – डॉ0 उमाशंकर शर्मा, चौखम्भा पब्लिशर्स, वाराणसी।
- ऋग्वेदभाष्यभूमिका–डॉ0 हरिदत्त शास्त्री, साहित्य भण्डार मेरठ।
- निरूक्तम्–डॉ0 उमाशंकर शर्मा ऋषि, वाराणसी।
- निरूक्तम्–श्रीकान्त पाण्डेय, साहित्य भण्डार मेरठ।
- निरूक्तम्–श्री सीताराम शास्त्री, परिमल पब्लिकेशन, दिल्ली।
- ऋग्वेदभाष्यभूमिका–श्री जगन्नाथ पाठक, चौखम्भा संस्कृत वाराणसी।
- ऋग्वेदभाष्यभूमिका–श्री रामअवध पाण्डेय, रविनाथ मिश्र चौखम्भा संस्कृत वाराणसी।

## ब–व्याकरण

5. प्रश्न–पत्र – प्रथम (पूर्णांक : 25+75=100 अंक)

महाभाष्य, शिक्षा एवं आचार्य परिचय (A021001T)

पस्पशाह्निक (60 अंक)

- शब्द परिभाषा।
- शब्द एवं अर्थ सम्बन्ध।
- व्याकरण अध्ययन के उद्देश्य।
- व्याकरण की परिभाषा।
- साधु शब्द के प्रयोग का परिणाम।
- व्याकरण पद्धति।
- पाणिनि शिक्षा। (20 अंक)
- निम्नलिखित आचार्यों का परिचय–पाणिनि, कात्यायन, पतंजलि, भर्तृहरि, वामनजयादित्य, भट्टोजिदीक्षित, नागेशभट्ट, जैनेन्द्र, कैय्यट, शाकटायन, हेमचन्द्रसूरि, सारस्वतव्याकरणकार। (20 अंक)

6. प्रश्न–पत्र – द्वितीय (पूर्णांक : 25+75=100 अंक)

वाक्यपदीयम् (A021002T)

ब्रह्मकाण्ड : (100 अंक)

- स्फोट का स्वरूप
- शब्दब्रह्म का स्वरूप।
- शब्दब्रह्म की शक्तियां।
- स्फोट एवं ध्वनि का सम्बन्ध।
- शब्द अर्थ का सम्बन्ध।
- ध्वनि के प्रकार।
- भाषा के स्तर।

7. प्रश्न–पत्र – तृतीय (पूर्णांक : 25+75=100 अंक)

काशिका एवं प्रत्यय (A021003T)

- काशिका–प्रथम अध्याय का प्रथम पाद।

सिद्धांत कौमुदी के अनुसार :

- तद्धित– अपत्यार्थक एवं मत्वर्थीय। (35 अंक)
- तिङन्त–एध् अद्, अस्, हु, दिव, षुञ्, तुद, तन्। (35 अंक)
- प्रत्ययान्त–णिजन्त, सन्नत, यङन्त, यङ्लुगन्त, नामधातु। (30 अंक)

8. प्रश्न–पत्र – चतुर्थ (पूर्णांक : 25+75=100 अंक)

व्याकरण प्रक्रिया (A021004T)

- व्याकरण प्रक्रिया वरदाचार्य–मध्यसिद्धान्त कौमुदी।
- व्याकरण शास्त्र का इतिहास।
- व्याकरण महाभाष्य–द्वितीय आह्निक।
- परस्मैपद एवं आत्मनेपद विधान–सिद्धान्त कौमुदी के अनुसार।

**सहायक ग्रन्थ** :–

- वाक्यपदीयम–डॉ0 जयदत्त उप्रेती, परिमल पब्लिकेशन, दिल्ली।
- वाक्यपदीयम–सूर्य नारायण शुक्ल, चौखम्भा संस्कृत सीरीज, वाराणसी।
- वाक्यपदीयम–डॉ0 शिव शंकर अवस्थी, चौखम्भा विद्या भवन वाराणसी।
- सिद्धान्त कौमुदी–डॉ0 ब्रह्मानन्द शुक्ल, शारदा संस्कृत संस्थान, वाराणसी।
- वैयाकरण सिद्धान्त कौमुदी–डॉ0 राम बिलास चौधरी, मोतीलाल बनारसी दास, वाराणसी।
- वैयाकरण सिद्धान्त कौमुदी–डॉ0 सत्यपाल सिंह, शिवालिक प्रकाशन, दिल्ली।
- व्याकरण महाभाष्य–चारूदेव शास्त्री, एक्जोटिक इण्डिया, दिल्ली।
- व्याकरण महाभाष्य–जयशंकर लाल त्रिपाठी, चौखम्भा वाराणसी।
- व्याकरण महाभाष्य–वेद प्रकाश विद्यावाचस्पति, मेहरचन्द लक्ष्मीदास पब्लिशर्स, नई दिल्ली।
- मध्य सिद्धान्त कौमुदी–विश्वनाथ शास्त्री।
- काशिका वृत्ति–नारायण मिश्र, रत्ना पब्लिकेशंस वाराणसी।
- संस्कृत व्याकरण शास्त्र का इतिहास–युधिष्ठिर मीमांसा, भारतीय विद्या प्रतिष्ठान अजमेर।
- संस्कृत व्याकरण का उद्भव और विकास–सत्यकाम वर्मा, मोतीलाल बनारसी दास, वाराणसी।

## स–दर्शन

9. प्रश्न–पत्र – प्रथम (पूर्णांक : 25+75=100 अंक)

चार्वाक, बौद्ध एवं जैन दर्शन (A021001T)

चार्वाक दर्शन (30 अंक)

- प्रमाणमीमांसा
- तत्वमीमांसा
- आचारमीमांसा

बौद्ध दर्शन (35 अंक)

- प्रमाणमीमांसा
- तत्वमीमांसा
- आचारमीमांसा

जैन दर्शन (35 अंक)

- प्रमाणमीमांसा
- तत्वमीमांसा
- आचारमीमांसा

10. प्रश्न–पत्र – द्वितीय (पूर्णांक : 25+75=100 अंक)

न्याय–वैशेषिक दर्शन (A021002T)

न्याय दर्शन (50 अंक)

- प्रमाणमीमांसा
- तत्वमीमांसा
- आचारमीमांसा

वैशेषिक दर्शन (50 अंक)

- प्रमाणमीमांसा
- तत्वमीमांसा
- आचारमीमांसा

11. प्रश्न–पत्र – तृतीय (पूर्णांक : 25+75=100 अंक)

सांख्य–योगदर्शन (A021003T)

सांख्य दर्शन (50 अंक)

- प्रमाणमीमांसा
- तत्वमीमांसा
- आचारमीमांसा

योग दर्शन (50 अंक)

- प्रमाणमीमांसा

- तत्वमीमांसा
- आचारमीमांसा

12. प्रश्न–पत्र – चतुर्थ (पूर्णांक : 25+75=100 अंक)

मीमांसा एवं वेदान्त (A021004T)

मीमांसा (50 अंक)

- प्रमाणमीमांसा
- तत्वमीमांसा
- आचारमीमांसा

वेदान्त (50 अंक)

- प्रमाणमीमांसा
- तत्वमीमांसा
- आचारमीमांसा

**सहायक ग्रन्थ**


- भारतीय दर्शन–देवराज, उ0प्र0 हिन्दी संस्थान, लखनऊ।
- भारतीय दर्शन–डॉ0 राधा कृष्णन, राजपाल एण्ड संस, दिल्ली।
- भारतीय दर्शन : आलोचना और अनुशीलन–डॉ0 चन्द्रधर शर्मा, मोतीलाल बनारसी दास, वाराणसी।
- भारतीय दर्शन की रूपरेखा–हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, मोतीलाल बनारसी दास, वाराणसी।
- भारतीय दर्शन–चटर्जी एण्ड संस, पुस्तक भण्डार पब्लिसिंग हाउस पटना, बिहार।
- संस्कृत वाङ्मय का बृहद इतिहास–9, 10 एवं 12 भाग–बलदेव उपाध्याय, उ0प्र0 संस्कृत संस्थान।

## द–साहित्य

13. प्रश्न–पत्र – प्रथम (पूर्णांक : 25+75=100 अंक)

अलंकारशास्त्र (A021001T)

- प्रादुर्भाव
- नामकरण
- सम्प्रदायवादी प्रमुख आचार्यों का परिचय।

14. प्रश्न–पत्र – द्वितीय (पूर्णांक : 25+75=100 अंक)

काव्यप्रकाश–(पंचम से दशम उल्लास तक) (A021002T)

- काव्यात्म विचार

15. प्रश्न–पत्र – तृतीय (पूर्णांक : 25+75=100 अंक)

ध्वन्यालोक–(A021003T)

प्रथम उद्योत

16. प्रश्न–पत्र – चतुर्थ (पूर्णांक : 25+75=100 अंक)

वक्रोक्तिजीवितम्–(A021004T)

प्रथम उन्मेष

### सहायक ग्रन्थ

- साहित्य शास्त्र–डॉ0 विवेक शंकर, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी।
- भारतीय काव्यशास्त्र–निशा अग्रवाल, जेनेरिक प्रकाशन।
- अलंकार शास्त्र का इतिहास–डॉ0 कृष्ण कुमार, साहित्य भण्डार, मेरठ।
- काव्यप्रकाश–आचार्य विश्वेश्वर।
- काव्यप्रकाश–श्री निवास शर्मा।
- ध्वन्यालोक–आचार्य चन्द्रिका प्रसाद शुक्ल।
- वक्रोक्तिजीवित–डॉ0 दशरथ द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
- ध्वन्यालोक–डॉ0 एच.एन. यादव हरीश विश्वविद्यालय प्रकाशन, आगरा।